मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर एक्विटी गीत

मिशन शिक्षण संवाद
जेण्डर इक्विटी गीत
तर्ज़- दूल्हे का सेहरा सुहाना लगता है

रस्ते का हर एक शूल हटाना होगा,
घर की बेटी को आज पढ़ाना होगा।

घर की होती शान है ये बेटियाँ।
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।
शिक्षा का दीप नया जलाएंगी,
जमाने की जान है बेटियाँ।।

है अंधेरा चार सु छाया हुआ,
अब करो साकार मिलकर तुम मेरा सपना।
फूल खिलते हैं यहाँ पर कितनी खुशबू है,
बाँसुरी बजती यहाँ पर कितना जादू है।।
मत बनवाओ चावल,सब्जी, रोटियाँ,
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।।

इनकी आँखों में नए सपने नई रातें,
आसमां से देखो करती है ये बातें।
स्कूल में जब वो पढ़ने जाएंगी,
शिक्षित अपना घर बार बनाएंगी।।
सफलता की डालों की नई टहनियाँ,
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।।

15

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्रा०वि०मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

संकलन-

काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

....रचनाकारों की सूची..

1-मंजू शर्मा,हाथरस
2-अरविन्द सिंह,वाराणसी
3-गीता यादव,फतेहपुर
4-पूनम गुप्ता,अलीगढ़
5-शहनाज बानो,चित्रकूट
6-रुखसाना बानो,मिर्जापुर
7-प्रतिमा उमराव,फतेहपुर
8-पुष्पा पटेल,चित्रकूट
9-पूजा सचान, फर्रुखाबाद
10-प्रवीणा दीक्षित,कासगंज
11-रीना, महाराजगंज
12-प्रतिभा चौहान,मुरादाबाद
13-अर्चना अरोड़ा,फतेहपुर
14-सुमन पांडेय,फतेहपुर
15- सुधांशु श्रीवास्तव फतेहपुर
16-रीनू पाल, फतेहपुर
17-आर.के.शर्मा,चित्रकूट

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-बहुत प्यार करते हैं...

लैंगिक असमानता को दूर करें हम।
बेटा और बेटी में भेद हो खतम॥

कमजोर मानसिकता,रही है हमारी।
तभी से समाज में ये,फैली है बीमारी॥
समानता की दृष्टि से सबको,देखें हम।
लैंगिक असमानता को दूर करें हम।।

जन्म से ही बेटी को,बोझ समझा जाता।
बेटे की हर इच्छा को, पूरा किया जाता॥
भारतीय संस्कृति, तोड़ती है दम।
लैंगिक असमानता को दूर करें हम॥
स्त्री भी पुरुषों से कम नहीं होती।
बीज महानता के सत्कार्यों से बोती॥
ईश्वर ने दोनों को,दी है क्षमता सम।
लैंगिक असमानता को, दूर करें हम॥

01

आज मिलकर सब,ये कसम खाएँ।
लड़का और लड़की में,अन्तर ना पाएँ॥
नई शुरुआत करने, बढ़ाएँ कदम।
लैंगिक असमानता को, दूर करें हम॥

रचना – मन्जू शर्मा [स.अ.]
प्रा. वि.- नगला जगराम
विकास खण्ड – सादाबाद (हाथरस)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- मेरे तमन्नाओं की तस्वीर तुम सँवार दो..

लैंगिक समानता का स्तर सँवार लो,
स्त्री-पुरुष अनुपात को सुधार लो।
अनुपात को सुधार लो।।
लैंगिक समानता का स्तर सँवार लो....

स्त्री के रूप अनेकों बहू,बहन बेटी,
माता के रूप में भी दुःख हर लेतीं।
सोच अपनी सबल करो, बात ये तुम मान लो।
स्त्री-पुरुष अनुपात को सुधार लो
अनुपात को सुधार लो।
लैंगिक समानता का स्तर सँवार लो....

02

राष्ट्र की तरक्की व सुख-दुःख की साथी,
स्त्री बिना पूरी ना सृष्टि अविनाशी।
हित-अहित की बात को,
आज ही पहचान लो
स्त्री-पुरुष अनुपात को सुधार लो।
अनुपात को सुधार लो।
लैंगिक समानता का स्तर सँवार लो .....

अरविन्द कुमार सिंह (स.अ)
प्रा.वि.धवकलगंज बड़ागॉव
जनपद- वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज़- जिंदगी एक सफर है सुहाना

लड़का-लड़की हैं एक समान -2
लोगों अब तुम लो ये जान -2
लड़का-लड़की हैं एक समान,
लोगों अब तुम लो ये जान।

लड़कियाँ नहीं अब कहीं भी कम-2
रखना ना मन में कोई ये भ्रम-2
वो भी सैनिक बनके रखें देश का मान,
लड़का-लड़की हैं एक समान-2
लोगों अब तुम लो ये जान।

03

घर संभालें खुशी से करें बाहर का भी काम-2
चैन नहीं पल भर का उनको ना कोई आराम-2
जाएंगी लड़कों से भी आगे लिया है ठान,
लड़का-लड़की हैं एक समान-2
लोगों अब तुम लो ये जान।

गीता यादव(प्र०अ०)
प्रा०वि०मुरारपुर
देवमई,फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-ओ री चिरैया,नन्ही सी गुड़िया ,अंगना में फिर आना रे..

बिटिया हूँ तेरी, चिड़िया हूँ तेरी,
मुझको गले से लगा ......
ओ मैया मेरी, क्यों दे रही है सजा?
बेटा नहीं हूँ,तो क्या ग़म है तुझको,
मैं अभी बनूँगी सहारा ......
छोड़ूँगी अकेली ना तुझको लहर में,
दिलाऊँगी तुझको किनारा.....
इतना भरोसा, मुझ पर तू कर ले,
सताऊँगी ना तुझको माँ .....
ओ मैया मेरी क्यों दे रही है सजा ?

04

भेजा है तेरे लिए रब ने मुझको,
परिवार ये ही है मेरा .....
बंद अंधेरे में, तड़पू यहाँ पर ,
आएगा कब यह सवेरा .....
मारो ना मुझको गर्भ में मैया,
किस बात से है ख़फ़ा .....
ओ मैया मेरी क्यों दे रही है सजा ?

बिटिया हूँ ,तेरी चिड़िया हूँ तेरी ,
मुझको गले से लगा ....
ओ मैया मेरी क्यों दे रही है सजा ?

रचना : श्रीमती पूनम गुप्ता(स०अ०)
प्रा०वि०धनीपुर(अंग्रेजी माध्यम)
धनीपुर, जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-मिलो न तुम तो..

बेटी से घर का काम कराएं,
बेटों को खूब पढ़ाएं,
हमें क्या हो गया है?
तुम्हें क्या हो गया है?
बेटी को भी खूब पढाएं,
उन्हें भी आगे बढ़ाएं,
नारा ये हो गया है--2

ओ प्यारी बेटियों,
बेटा-बेटी दोनों समान हैं,
बेटी को कम आंको न,
सृष्टि का एक वरदान हैं,
बेटी पढ़ा कर काबिल बनाएं,
उनको भी आगे बढ़ाएं,
नारा ये हो गया है--2

बेटी को भी अब खूब पढ़ाएं,
इन्हें भी आगे बढ़ाएं,
नारा ये हो गया है--2

बेटा अगर है साज,
बेटी भी घर का संगीत है।
बेटा है लय राग,
तो बेटी जीवन का गीत है।
डॉक्टर बनाएं,खूब पढ़ाएं,
मनोबल इनका बढ़ाएं,
जमाना बदल गया है--2
बेटी को भी अब खूब पढ़ाएं,
इन्हें अब तो आगे बढ़ाएं,
इन पर खुशी लुटाएं,
नारा ये हो गया है--2

05

रचना-शहनाज़ बानो(स०अ०)
P.m.v भौरी,
क्षेत्र;मानिकपुर,चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-सजन रे झूठ मत बोलो..

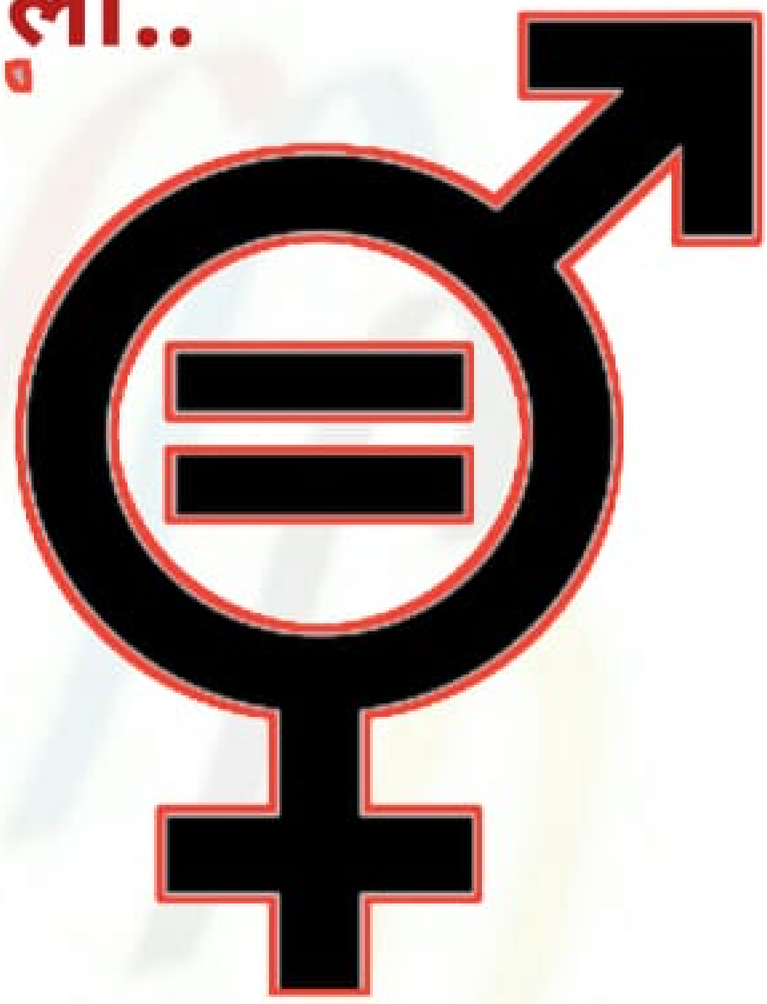

मेरी एक बात सब सुन लो
आज सबने ये माना है।
लैंगिक समानता किसको कहते हैं,
ये सबको समझाना है।

मतलब इसका ये नहीं है प्यारे,
व्यक्ति एक लिंग के हों सारे।
समानता का सीधा सा अर्थ है,
पुरुष हो चाहे हो महिला
सबको समान अवसर दिलाना है। मेरी एक बात .....

बराबर जब सबका हक़ होगा,
समाज में संतुलन होगा।
नहीं कोई अपराध पनपेगा,
आज ये संकल्प लेना होगा
असंतुलित अपराध को मिटाना है । मेरी एक बात --

06

हर क्षेत्र में इसको लाना होगा,
दोनों पहलुओं को सजाना होगा।
दोनों का स्तर ऊँचा उठाना होगा,
शोषण को खत्म करना होगा।
स्त्री - पुरुष का भेद मिटाना है।
मेरी एक बात....

रचना-रुखसाना बानो (स.अ)
पू.मा.वि.अहरौरा
ब्लॉक - जमालपुर,(मिर्जापुर)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-मैं ससुराल नहीं जाऊँगी..

मैं बन्धन में नहीं रह पाऊँगी,
बोली मेरी ये समझो।
घर-बाहर के काम निभाऊंगी,
बोली मेरी ये समझो।।

भैया के जैसा मुझको पढ़ाओ,
आगे बढ़ने का अवसर दिलाओ।
मैं अपनी जिम्मेदारी उठाऊँगी,
बोली मेरी ये समझो।
मैं बन्धन में...

बेटी- बेटा का अन्तर घटाओ,
लिंग –भेद को अपने मन से हटाओ,
माता- पिता को ये बताऊँगी,
बोली मेरी ये समझो..
मैं बन्धन में ..

07

बालिका को शोषण से मुक्ति दिलाओ,
अशिक्षा, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या भगाओ,
समाज को जागरूक बनाऊंगी,
बोली मेरी ये समझो।
मैं बन्धन में..

रचना-प्रतिमा उमराव (स. अ.)
पू.मा.वि. अमौली,
शिक्षा क्षेत्र- अमौली,जनपद- फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- होठों से छूलो तुम..

बेटे संग बेटी को,शिक्षा का
अवसर दो।
शिक्षा का वर देकर,दोनों को
सबल कर दो।।

न फर्क हो दोनों में न रूढ़ि का हो बंधन।
संस्कार हो दोनों में,कलुषित न कभी हो मन।।
लिंग-भेद मिटाकर के समभाव डगर चल दो।
शिक्षा का वर ..

बेटा कुल का सूरज, तो बिटिया है चंदा सी।
एक लाठी बुढापे की, एक ज्योति नैनो की।।
नई सोच अमल करके जीवन ये सुगम कर दो।
बेटे संग.....

08

बेटी को भी जीने के अधिकार सभी दे दो।
उड़ कर भी दिखलाए आसमान अगर दे दो।।
तुम साहस बन इनकी हर उड़ान अमर कर दो।
बेटे संग..

रचना-पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा०वि०संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज़- नदिया चले चले रे धारा

09

बेटा-बेटी भेद मिटाएं,
बेटी भी सक्षम बनाएं।
उसको पढ़ना होगा, उसको बढ़ना होगा--2

बेटा जो जन्मे तो खुशियाँ मनाओ,
बेटी जो जन्मे तो दीपक जलाओ।
बेटा है धड़कन तो बेटी है साँसें,
शिक्षा से बेटी का जीवन तराशें।
उसको पढ़ना होगा, उसको बढ़ना होगा--2

बेटी पढ़ेंगी तो चमकेगा भारत,
लिख देंगी वो एक नई सी इबारत।
बेटा जो पढ़कर के नाम कमाए,
बेटी भी सपनों को सच कर दिखाए।
उसको पढ़ना होगा, उसको बढ़ना होगा--2

पूजा सचान
EMPS मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

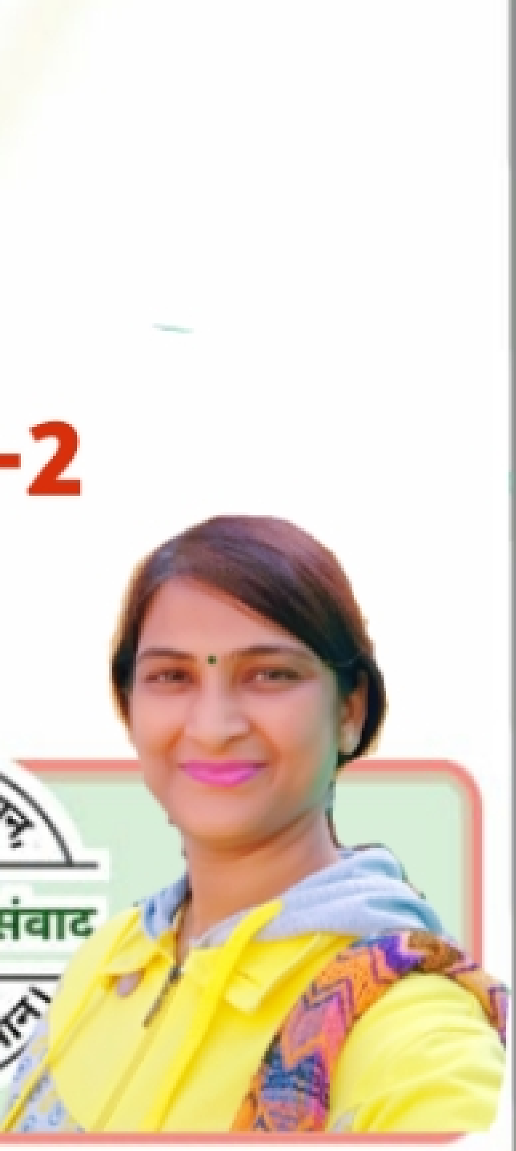

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं..

बेटियों को प्यार हम भरपूर करेंगें,
लैंगिक असमानता को दूर करेंगें।

बेड़ा हिन्दुस्तान का तुम गर्क न करो,
बेटों और बेटियों में फर्क न करो।
बेटियों के मन में भरी ममता बहुत है,
बेटियों में हर तरह की क्षमता बहुत है।
बेटियों के काम पे गुरूर करेंगें,
लैंगिक असमानता को दूर करेंगें।

बेटियाँ न होगीं तो परिवार न होगा,
और बेटियाँ न होगीं तो संसार न होगा।
बेटियों को कोख में न मार दीजिए,
बेटियों को प्यार और दुलार दीजिए।
यही मन्त्र देश में जरूर भरेगें,
लैंगिक असमानता को दूर करेंगें।

10

रचना-प्रवीणा दीक्षित
KGBV ,Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज-झिलमिल सितारों का आंगन होगा.....

जेंडर इक्विटी अंतर मिटाना होगा,
पुरूष-महिला भेद हटाना होगा।
ऐसा सुंदर सपना अपना भारत होगा,
जेंडर इक्विटी अंतर मिटाना होगा।।

समानता की दृष्टि में,अधिकार दिए जाएंगे,
सफलता मिलेगी जब सम्मान दिए जायेंगे।
अधिकारों से कोई न वंचित होगा,
जेंडर इक्विटी अंतर मिटाना होगा।।

पूर्वाग्रह से न सारा संसार ये देखेगा,
फिर महिलाओं पर प्रतिबंध न रहेगा,
जेंडर इक्विटी का सम मंजर होगा।
जेंडर इक्विटी अंतर मिटाना होगा।।

शारिरिक-मानसिक शोषण को मिलकर हम मिटायेंगे,
शिक्षा, सम्मान, लैंगिक समानता हम पाएंगे।
समग्र विकास का कदम उठाना होगा,
जेंडर इक्विटी अंतर मिटाना होगा।।

रीना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय गिदहा
क्षेत्र-सदर,महराजगंज

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का..

मुझे बोझ कब तक समझते रहोगे।
बताओ न दिल से, बताओ न दिल से,
दुआ कब कहोगे।

हूँ मैं भी तुम्हारा ही तो अंश आखिर।
क्यों समझा बताओ फकत बोझ सा फिर।।
जरा प्यार दो नाज मुझ पर करोगे।
मुझे बोझ ....

मेरे बिन कहो क्या ये जग चल सकेगा?
क्या जीवन धरा पे फिर बाकी रहेगा।
जरा सोच बदलो नहीं फिर मरोगे
मुझे बोझ ....

12

दो बेटे बराबर ही अधिकार मुझको।
ना समझो निरादर का हकदार मुझको।।
करो प्रण उदर में न कुचला करोगे।
मुझे बोझ ....

बेटों से न बेटी को समझो अलग तुम।
है बेटा उजाला तो बेटी किरण सम।
चलो बोल दो यही सम भाव दोगे।
मुझे बोझ........

रचना-प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा.वि.गोपालपुर, क्षेत्र-डिलारी
जिला- मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज़- एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल

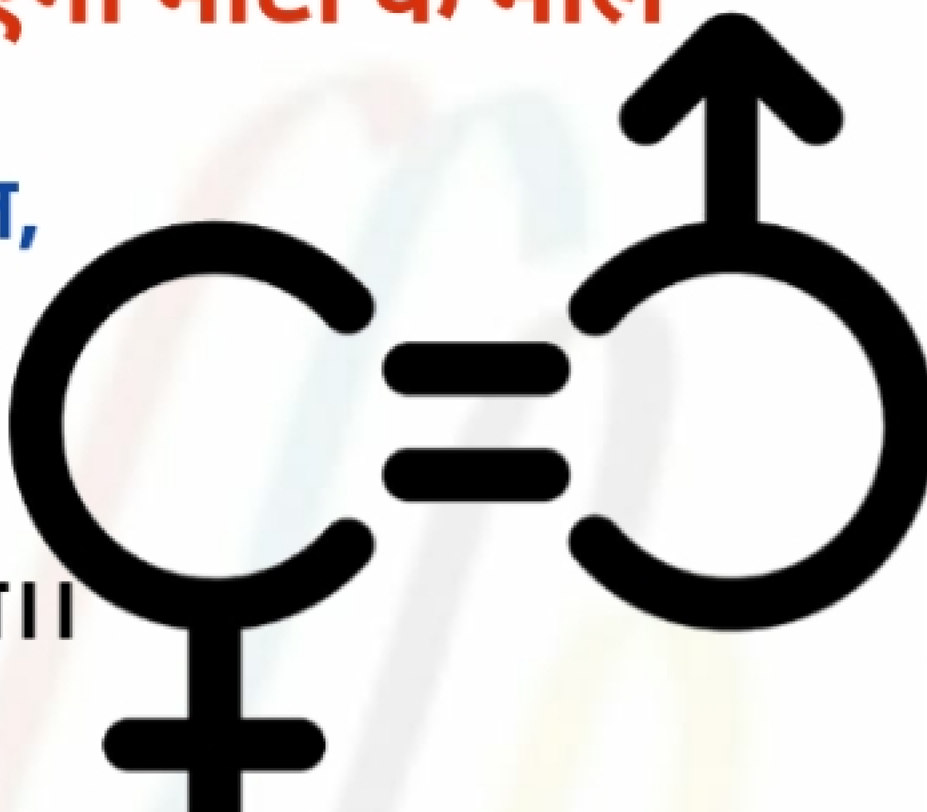

बेटा और बेटी दोनों हैं अनमोल,
उड़ान दोनों की ऊँची पंख जो देते खोल,
बेटा केवल बढ़ाए अपने घर मान,
बेटी तो होती दो-दो कुल की शान।

बेटा और बेटी दोनों है अनमोल,
उड़ान दोनों की ऊँची पंख जो देते खोल।।

दोनों को बराबर से शिक्षा दिलाएं,
भेदभाव न दोनों में कभी दिखाएं,
बेटे की कमी भी, बेटी करे पूरी,
हर क्षेत्र में बेटियाँ आगे बढ़ती ही जाएं,
बुलंद हौसलों से अपनी पहचान बनाती हैं,
चारों ओर है फैला इनकी गाथाओं का शोर।

बेटा और बेटी दोनों हैं अनमोल,
उड़ान दोनों की ऊँची पंख जो देते खोल।।

13

माता, बेटी, बहन हर सम्बन्ध का मान बढ़ाएं,
कोख में मारोगे कैसे एक माँ को हम पाएं,
जो समाज हो शिक्षित, वो देश हो विकसित,
सो ज्ञान और संस्कार हम बच्चों में जगाएं,
संस्कारी बेटे ही करें नारी का सम्मान,
चरित्र विकास में शिक्षक और समाज का है अहम
रोल।।

बेटा और बेटी दोनों है अनमोल,
उड़ान दोनों की ऊँची पंख जो देते खोल।।

अर्चना अरोड़ा(प्र०अ०)
प्रा०वि०बरेठर खुर्द
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज़- झिलमिल सितारों का सावन

बेटी-बेटा समान समझना होगा,
दोनों के जीवन संवारना होगा।
ऐसे सुंदर भारत का निर्माण होगा।
बेटी-बेटा समान समझना होगा,
दोनों के जीवन संवारना होगा।।

चाँद-सितारों में कहाँ ना,
पहुँच सकी हैं बेटियाँ,
चाँद-सितारों में...हो..हो..
चाँद-सितारों में कहाँ न पहुँच सकी हैं बेटियाँ
सपनों को सच करके दिखा देती हैं बेटियाँ...
सहारा इनको भी समझना होगा...
दोनों के जीवन संवारना होगा।

14

बेटी को दुनिया में लाकर सृष्टि को रचाएंगे,
बेटी को दुनिया में ..हो ..हो..
बेटे को दीपक समझ उजाला हम फैलाएंगे..
तभी तो लैंगिक समानुपात होगा।
दोनों के जीवन संवारना होगा।

खुले आसमान में उड़ने दो पंखों को फैला कर,
खुले आसमान में....हो....हो...
खुले आसमान में उड़ने दो पंखों को फैला कर
जीवन जीने का हक दो दुनिया में मुझे लाकर,
लोगों को जीवन मेरा प्रेरणा बनेगा।
दोनों का जीवन संवारना होगा,
बेटी-बेटा समान समझना होगा।
दोनों के जीवन संवारना होगा।।

सुमन पांडेय(प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज़- दूल्हे का सेहरा सुहाना लगता है

रस्ते का हर एक शूल हटाना होगा,
घर की बेटी को आज पढ़ाना होगा।

घर की होती शान है ये बेटियाँ।
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।
शिक्षा का दीप नया जलाएंगी,
जमाने की जान है बेटियाँ।।

है अंधेरा चार सु छाया हुआ,
अब करो साकार मिलकर तुम मेरा सपना।
फूल खिलते हैं यहाँ पर कितनी खुशबू है,
बांसुरी बजती यहाँ पर कितना जादू है।।
मत बनवाओ चावल,सब्जी, रोटियाँ,
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।।

15

इनकी आँखों में नए सपने नई रातें,
आसमां से देखो करती है ये बातें।
स्कूल में जब वो पढ़ने जाएंगी,
शिक्षित अपना घर बार बनाएंगी।।
सफलता की डालों की नई टहनियाँ,
हम सबका अभिमान है ये बेटियाँ।।

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्रा०वि०मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- पारम्परिक गारी

अपने देश का मान बढ़ाऊंगी,
अधिकार जो समता का पाऊँगी।

मुझे ना आंको बेटे से कम,
मुझ में है बराबरी का दम,
तेरी ही कोख से लिया जन्म।
सदा सुख-दुख में साथ निभाऊंगी,
अधिकार .... पाऊँगी।

करते क्यों बेटा बेटी में भेद,
ना होता तुम्हें तनिक भी खेद, वक्त अभी भी हो जाओ सचेत।
अधिकारों से अब ना वंचित रह पाऊँगी,अधिकार ...

16

मुझसे ही तो सृष्टि चलती,
पुरुष प्रधान क्यों भारत की धरती,
ऐसी भी क्या मेरी गलती।
क्या ऐसी ही कमतर आंकी जाऊंगी,
अधिकार...

मैं भी समानता की अधिकारी, नारी नहीं अब अबला बेचारी,
कान लगाकर सुन लो दुनिया सारी।
अपने हक के लिए खड़ग ढाल उठाऊंगी, अधिकार..

अपने देश का मान बढ़ाउंगी,
अधिकार जो समता का पाऊँगी।

रचना-रीनू पाल (स.अ.)
प्रा.वि.दिलावलपुर
ब्लॉक-देवमई ,जनपद-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

जेण्डर इक्विटी गीत

तर्ज- तुझे सूरज कहूं या चन्दा..

एक सूरज है,एक चन्दा,दोनों देते उजियारा।
एक दो कुल की उजियारी,एक है नैनों का तारा।।

बेटा जन्मा जब घर में,तुमने उत्साह मनाया।
बेटी अवतरित हुई तो,क्यों घर में मातम छाया।।
सृष्टि की अनुपम कृति को,क्यों तूने है दुत्कारा।।
एक दो कुल की उजियारी..

बिटिया जो पढ़-लिख लेगी,
तो रोशन नाम करेगी।
यश कीर्ति विस्तारित
हो,कुछ ऐसा नाम करेगी।।
बनकर कल्पना चावला बने
आसमान का तारा।
एक दो कुल की...

17

तुम इनमें भेद न करना,समता का भाव दिखाओ।
दोनों है एक बराबर,बेटा-बेटी साथ पढ़ाओ।।
दोनों को नेक बनाओ,तो मिल जाएगा किनारा।
एक दो कुल की उजियारी,एक है नैनों का तारा..

रचना-राज कुमार शर्मा (प्र.अ.)
UPS,चित्रवार,
ब्लॉक-मऊ ,जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।